केंद्रीय विद्यालय संगठन,लखनऊ सम्भाग
सत्र-2024-25

विषय : हिंदी (आधार)

कक्षा: बारहवीं

अंक योजना/उत्तर कुंजी

निर्धारित समय: 3 घंटे

अधिकतम अंक : 80

		खड 'अ'	
प्रश्न क्रम संख्या		उत्तर	अक
		अपठित गद्याश (10)	(10)
प्रश्न 1.	(i)	ii. जीवन को दांव पर लगा देते हैं।	1
	(ii)	iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।	1
	(iii)	ii. स्वावलबन	1
	(iv)	गोधूलि वाली दुनिया के लोग बधे हुए घाट का पानी पीते हैं।	1
	(v)	साहस सभी प्रकार के गुणो मे सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बिना किसी भी अन्य गुण का लगातार अभ्यास नहीं किया जा सकता। साहसी कभी भी परिस्थितियों से हार नहीं मानता। दुख-सुख दोनों में आगे बढ़ता रहता है।	2
	(vi)	ज़िदगी की दोनो सूरतो मे से दूसरी सूरत, जिसमे गरीब एव असहाय व्यक्तियों को खुशी प्रदान करने की कोशिश की जाती है,श्रेष्ठ है। जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए हर व्यक्ति प्रयास करता है और विपरीत परिस्थितियों का मुकाबला भी करता है, परंतु गरीब लोगों के सुख- दुख को अपना समझकर उनका साथ देते हैं और जो सभी नहीं कर पाते।	2
	(vii)	लेखक ने अकेले चलने वाले की तुलना सिह से इसलिए की है क्योंकि सिंह जंगल में अकेला निडर होकर घूमता है। वह भेड़ या भैंस की तरह जून में नहीं चलता। ठीक उसी प्रकार अकेले चलने वाला व्यक्ति भी बिलकुल निडर बिलकुल बेखौफ होता है।	2
		अपठित काव्याश (8)	(8)

प्रश्न 2.	(i)	(अ) स्वय का बलिदान	1
	(ii)	(स) दारेद्र	1
	(iii)	(अ) केवल I	1
	(iv)	शीश पर आशीष की छाया घनेरी	1
	(v)	कवि मातृभूमि के लिए किए गये बलिदान को स्वीकार करने की बात कर रहा है	2
	(vi)	तन,मन और जीवन को समर्पित करने की बात कह रहा हैं	2
		अभिव्यक्ति और माध्यम **(22)**	अक **22**
प्रश्न 3.		विद्यार्थी द्वारा लिखे गए उत्तर की जाच के समय उत्तर जाँचकर्ता निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी के उत्तर का मूल्यांकन करेगा : ● भाषा की शुद्धता और लिखावट की स्पष्टता , वाक्य विन्यास ● प्रभावी अभिव्यक्ति ● विचार विषय से सुसंबद्ध तथा संगत होने चाहिए ● विषय से जुड़े तथ्यों से उचित तालमेल होना चाहिए लेखन में विषय से भटकाव की स्थिति नहीं होनी चाहिए	6
प्रश्न 4	(i)	सूचनाओ, विचारो और भावनाओ को लिखित , मौखिक या दृश्य-श्रव्य माध्यमों के जरिए सफलतापूर्वक एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाना ही संचार है और इस प्रक्रिया को अंजाम देने में मदद करनेवाले तरीके संचार माध्यम कहलाते हैं । संचार का सबसे महत्त्वपूर्ण प्रकार है : जनसंचार (जब हम व्यक्तियों के समूह के साथ प्रत्यक्ष संवाद की बजाय किसी तकनीकी या यांत्रिक माध्यम के जरिये समाज के एक विशाल वर्ग से संवाद कायम करने की कोशिश करते हैं तो इसे जनसंचार कहते हैं । प्रमुख जनसंचार माध्यम (प्रिंट , टी.वी. रेडियो, इंटरनेट)	2
	(ii)	नाटक और कहानी मे समानता के बिंदु नाटक और कहानी दोनों में कहानी का केंद्र बिंदु कथानक होता है। दोनों में एक कहानी होती है। दोनों में में पात्र होते हैं। दोनों में परिवेश होते हैं। दोनों में क्रमिक विकास होता है। दोनों में संवाद होते हैं। दोनों में पात्रों के मध्यम द्वंद्व होता	2

		हैं। दोनों में एक उद्देश्य निहित होता है। दोनों में चरमोत्कर्ष होता है।	
	(iii)	किसी नए अथवा अप्रत्याशित विषय पर कम समय में अपने विचारों को संकलित कर उन्हें सुंदर ढंग से अभिव्यक्त करना ही अप्रत्याशित विषयों पर रचनात्मक लेखन कहलाता है । ● विषय की पूर्ण जानकारी ● लिखने से पूर्व रूपरेखा स्पष्ट ● तथ्यों में तालमेल ● इस प्रकार के लेखन में (मैं शैली) का प्रयोग करना चाहिए । ● विषय से भटकाव तनिक भी नहीं होना चाहिए ।	2
	(iv)	रेडियो एक श्रव्य संचार माध्यम है | रेडियो की कुछ सीमाएं निम्न हैं- सीमा की परिधि और रेंज की समस्याः रेडियो तरंगों की प्रभावशीलता उनकी आवृत्ति और शक्ति पर निर्भर होती है। रेडियो पर चित्र दिखाए नहीं जा सकते. इसलिए, प्राकृतिक आपदा जैसी घटनाओं को टीवी पर देखने से ज़्यादा प्रभाव पड़ता है. रेडियो प्रसारण उन लोगों के लिए फ़ायदेमंद नहीं है जिनमें श्रवण संवेदना नहीं है या जो सुनने में अक्षम हैं |	2
	(v)	फ्रीलासर पत्रकार को स्वतत्र पत्रकार भी कहा जाता है, जो किसी एक समाचार पत्र संगठन के लिए काम नहीं करते हैं, बल्कि वह अलग-अलग समाचार पत्र संगठन के लिए काम करते हैं, जहां पर उनको अलग-अलग संस्थाओं से अलग-अलग सैलरी मिलती है और इन पत्रकारों के काम करने की समय सीमा भी निर्धारित नहीं होती है |	2
प्रश्न 5.	(i)	छपाई वाले संचार माध्यम को प्रिंट मीडिया कहते हैं। इसे मुद्रण-माध्यम भी कहा जाता है। समाचार-पत्र पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि इसके प्रमुख रूप हैं। मुद्रित माध्यम की विशेषताएँ- • छपे हुए शब्दों में स्थायित्व होता है, इन्हें सुविधानुसार किसी भी प्रकार से पढ़ा जा सकता है। • यह माध्यम लिखित भाषा का विस्तार है। • यह चिंतन, विचार-विश्लेषण का माध्यम है।	4

	(ii)	समाचार लेखन की उलटा पिरामिड शैली के तहत लिखे गये समाचारों के सुविधा की दृष्टि से मुख्यतः तीन हिस्सों में विभाजित किया जाता है – मुखड़ा या इंट्रो या लीड, बॉडी और निष्कर्ष या समापन अगर विद्यार्थी इन बिन्दुओं के अनुसार समाचार लिखे तो उसे पूरे अंक प्रदान किए जाएं|	4
	(iii)	कहानी का नाट्य रूपातरण करते समय ध्यान रखने योग्य आवश्यक बातें : कहानी की विस्तृत कथावस्तु को समय और स्थान के आधार पर विभाजित करना । दृश्यों का विभाजन अनावश्यक दृश्यों को हटाना संवाद (छोटे/ प्रभावशाली / बोलचाल की भाषा में हो) अभिनय (पात्रों द्वारा चरित्र चित्रण) ध्वनि और प्रकाश व्यवस्था फ़्लैशबैक शैली का प्रयोग आदि	4
		<u>पाठ्य पुस्तक आरोह और वितान पर आधारित प्रश्न</u>	अक **40**
		पाठेत काव्यांश **(1x5)**	1x5
प्रश्न 6.	(i)	(स) कुँवर नारायण	1
	(ii)	(अ) झूठी वाहवाही करने वाले प्रशसक पाठक	1
	(iii)	(द) बात का प्रभाव समाप्त हो गया ।	1
	(iv)	(स) अपनी बात को सहज, सरल शब्दो के सहारे कैसे अभिव्यक्त किया जाए ।	1
	(v)	(ब) भाषा के साथ ज़बरदस्ती करना	1
प्रश्न 7.		काव्य खड आधारित निम्नलिखित प्रश्नो मे से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:-**	**(3x2)**
	(i)	'सुत बित नारी भवन परिवारा। होहि जाहि जग बारहि बारा' पंक्ति में राम विलाप करते हुए ये भाव व्यक्त हुए हैं: * संसार में पुत्र, धन, स्त्री, और परिवार बार-बार मिल जाते हैं, लेकिन अपना सहोदर भाई कभी दोबारा नहीं मिल सकता| * जिस तरह पंख रहित पक्षी, मणि रहित सर्प, और सूंड रहित हाथी दीन-हीन हो जाते हैं, उसी तरह तुम्हारे बिना मेरा जीवन भी ऐसा ही होगा|	3
	(ii)	यह कविता मानवीय करुणा तो प्रस्तुत करती ही है साथ ही इस कविता में उन लोगों की बनावटी करुणा का वर्णन भी मिलता है जो दुख दरिद्रता को बेचकर यश प्राप्त करना चाहते हैं। एक अपाहिज व्यक्ति के साथ झूठी सहानुभूति जताकर	3

		उसकी करुणा का सौदा करना चाहते हैं। एक अपाहिज की करुणा को पैसे के लिए टी.वी. पर दर्शाना वास्तव में क्रूरता की चरमसीमा है।	
	(iii)	बादल राग कविता में कवि ने लघु मानव की खुशहाली का गीत गाया है । कवि आम व्यक्ति के लिए बादल का आह्वान क्रांति के रूप में करता है । किसानों तथा मजदूरों की आकांक्षाएँ बादल को नव निर्माण के राग के रूप में पुकार रही हैं । क्रांति हमेशा वंचितों का प्रतिनिधित्व करती है बादलों के अंग -अंग में बिजलियाँ सोई है । वे वज्रपात से शरीर आहत होने पर भी हिम्मत नहीं हारते । धरती के भीतर सोए अंकुर नव जीवन की आशा में सिर ऊँचा करके बादल की ओर देख रहे हैं । क्रांति के बाद छोटे पौधे ही अधिक खुश होंगें।	3
प्रश्न 8.		काव्य खड आधारित निम्नलिखित प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:-**	**(2x2)**
	(i)	कविता के सदर्भ मे 'बिना मुरझाए महकने के माने' का अर्थ है कविता कालजयी होती है । उसका प्रभाव कभी कम नहीं होता । वह सदा महकते फूल की तरह हमें आनंद प्रदान करती रहती है ।	2
	(ii)	समाचार लेखन को उलटा पिरामिड शैली के तहत लिखे गये समाचारों के सुविधा की दृष्टि से मुख्यतः तीन हिस्सों में विभाजित किया जाता है – मुखड़ा या इंट्रो या लीड, बॉडी और निष्कर्ष या समापन अगर विद्यार्थी इन बिन्दुओं के अनुसार समाचार लिखे तो उसे पूरे अंक प्रदान किए जाएं|	2
	(iii)	छोटे चौकोने खेत को कागज़ का पन्ना कहने में यह अर्थ निहित है कि कवि ने कवि कर्म को खेत में बीज रोपने की तरह माना है । कवि बताना चाहता है कि कविता रचना सरल कार्य नहीं है । जिस प्रकार खेत में बीज बोने से लेकर फ़सल काटने तक काफ़ी परिश्रम करना पड़ता है ठीक उसी प्रकार कविता रचने के लिए अनेक प्रकार के सृजनात्मक कार्य करने पडते हैं ।	2
		पाठेत गद्याश **(1x5)**	1x5= 5
प्रश्न **9.**	(i)	(स) जेब भरी हो , और मन खाली हो	1
	(ii)	(ब) अभिमान को गिल्टी की खुराक मिलती है	1
	(iii)	(ब) बाज़ार जाओ तो खाली मन न हो ।	1

	(iv)	(अ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।	1
	(v)	(द) I , II और III	1
प्रश्न 10.		गद्य खड आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **-**	**(2x3)**
	(i)	पुरुषों की तरह स्त्रियों को भी अपनी पसद का जीवन-साथी चुनने का अधिकार है, लेकिन पंचायत ने भक्तिन की बेटी पर आवारा तीतरबाज युवक को पति के रूप में थोप दिया। यह कोई परिस्थितिवश होने वाली घटना नहीं थी। यह पुरुष प्रधान समाज द्वारा स्त्री के मानवाधिकार को कुचलने का षड्यंत्र था। स्त्रियों को उनके मानवाधिकारों से वंचित करने की यह परम्परा सदियों से चली आ रही है।	3
	(ii)	काले मेघा पानी दे' - सस्मरण में लेखक ने पुरानी परम्परा का वर्णन किया है। लोगों का विश्वास था कि इन्दर सेना के उपर पानी फेंकने से वर्षा होगी। वर्षा होने के बारे में विज्ञान का अपना सिद्धान्त और तर्क है किन्तु जन-विश्वास उससे ऊपर है। विज्ञान के सफल न होने पर लोग अपने विश्वास के अनुरूप आचरण करने से नहीं चूकते। जन- विश्वास और विज्ञान का यही द्वन्द्व है। लेखक का तर्कशील मन जिसे पानी को बर्बादी मानता है, जबकि जीजी का मानना है कि दान और त्याग द्वारा देवता को प्रसन्न किया जाता है।	3
	(iii)	कला अपने बूते पर जीवित रहती है ।कोई इसे मिटाना चाहे तो भी यह जीवित रहती है। फिर चाहे इसका स्वरूप ही क्यों न बदल जाए। व्यवस्थाएं कला को विकासशील बना सकती हैं, लेकिन कलाएं उन पर आश्रित बिल्कुल नहीं ।कई बार तो कला ही व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर देती है। कला एक अमर और शाश्वत सत्य है जिसे निराश्रित नहीं किया जा सकता।	3

प्रश्न **11.**		पाठ्य पुस्तक आरोह के गद्य पाठों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **-**	**(2x2)**
	(i)	जाति प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किये बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण, जैसे माता पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है। जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण करती है। वह मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे से बाँध देती है। पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण व्यक्ति को भूखा मरना पड़ सकता है।	2
	(ii)	लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत (सन्यासी) की तरह इसलिए माना है क्योंकि शिरीष में कई ऐसे गुण हैं जो एक कालजयी संन्यासी में पाए जाते हैं: शिरीष पर काल का कोई प्रभाव नहीं पड़ता, शिरीष जला देने वाली गर्मी और परेशान करने वाली उमस में भी अविचल खड़ा रहता है| शिरीष, विषय-वासनाओं से ऊपर उठा प्रतीत होता है| शिरीष, अपने फूलों की सुगंध से लोगों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है| शिरीष हमें उसी कालजयी अवधूत (संन्यासी) के समान मुसीबत से कभी न हारने के लिए प्रेरित करता है|	2
	(iii)	भीमराव आबेडकर के आदर्श समाज की जो कल्पना है उसके अनुसार स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता (भाईचारे) पर आधारित है। डॉ. भीमराव के अनुसार ऐसे समाज में सभी लोगों के लिए एक जैसा मापदंड और उनकी रूचि के अनुरूप कार्यों की उपलब्धता होनी चाहिए। सभी व्यक्तियों को एक समान अवसर में एक समान व्यवहार उपलब्ध होना चाहिए।	2
प्रश्न **12.**		निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग **100** शब्दों में उत्तर दीजिए **-**	**(2x5)**
	(i)	'सेल्वर वैडिंग' में पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव को दर्शाया गया है। आज भारतीय जीवन समय के साथ बदल रहे हैं| हम	5

		भारतीय अपनी संस्कृति को दकियानूसी मानकर छोड़ चुके हैं। हम लोग अपनी रिश्तेदारी, परंपरा, वेशभूषा, त्योहार आदि भूल चुके हैं। यशोधर की यही पीड़ा है कि उसका समाज धर्म, मंदिर, मान-सम्मान की आदतें छोड़ चुका है। हम 'सिल्वर वैडिंग', केक काटना, जींस-टॉप पहनना, को ही फैशन मान चुके हैं।	
	(ii)	कविता के प्रति लगाव से पहले लेखक को ढोर चराते हुए, पानी लगाते हुए, दूसरे काम करते हुए अकेलापन बहुत खटकता था। उसे ऐसा लगता था कि कोई-न-कोई हमेशा साथ में होना चाहिए। । कविता के प्रति लगाव के बाद उसे अकेलेपन से ऊब नहीं होती। अब वह स्वयं से ही खेलना सीख गया। पहले की अपेक्षा अब उसे अकेला रहना अच्छा लगने लगा। इस स्थिति में वह ऊँची आवाज़ में कविता गा सकता था। इस तरह अब उसे अकेलापन आनंद देने लगा था।	5
	(iii)	सिन्धु घाटी सभ्यता में विशाल रचना कोई नहीं मिली है ,बड़े भवनों में भी कक्ष छोटे ही हैं | उपकरण तो मिले हैं लेकिन हथियार नहीं पाए गए | निर्माण शैली साधारण होने के बाद भी दिखावे से कोसों दूर थे। जो वस्तु जिस रूप में सुंदर लग सकती थी, उसका निर्माण उसी ढंग से किया गया था। इसीलिए सिंधु सभ्यता में भव्यता थी, आडंबर नहीं।	5